पाठ 15

कदम मिलाकर चलना होगा

Date __/__/____ Page No.: ______

मौखिक -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

प्र० क- कवि किस राह पर किस प्रकार चलने के लिए कह रहा है?

उ०- कवि बाधाओं भरी राह पर कदम मिलाकर चलने को कह रहा है।

प्र० ख- कवि ने किस अरमान की बात की है?

उ० कवि ने हार या जीत के अनुसार ही ढल जाने वाले अरमानों की बात की है।

प्र० ग- कविता के रचयिता कौन हैं?

उ०- कविता के रचयिता अटल बिहारी वाजपेयी हैं।

लिखित -

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए -

प्र० क- इस कविता में किन कठिनाइयों की बात की गई है?

उ०- इस कविता में जीवन में आने वाली अनेक बाधाओं के कारण आने वाली कठिनाइयों की बात की गई है। हमें जीवन में कभी हार मिलती है। कभी किसी कार्य को करने में अनेक बाधाएँ आती हैं और कभी तो ऐसा लगता है मानो हमें चारों तरफ से ही बाधाओं ने घेर लिया है।

प्र० ख- क्षणिक जीत से कवि का क्या आशय है?

उ०- क्षणिक जीत से कवि का तात्पर्य थोड़े समय के लिए

Chitra

"You have to take the calculated risk, to earn something."—Dhirubhani Ambani

मिली जीत से है।

प्र०- ऐसा क्यों कहा गया है - "उद्यानों में, वीरानों में, अपमानों में सम्मानों में / उन्नत मस्तक, उभरा सीना, पीड़ाओं में पलना होगा।"

उ०- प्रस्तुत पंक्तियों का आशय है कि हम बगीचों में हो या वीरान जंगल में हो, हमें अपमान मिल रहा हो या सम्मान, गर्व से मस्तक ऊँचा हो या सीना चौड़ा करके चलने की हिम्मत हो, लेकिन इन सब के साथ-साथ कदम-कदम पर आने वाली बाधाओं को स्वीकार करते हुए कर्तव्य-पथ पर बढ़ना होगा।

2 पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

कहार में ——— पूत प्यार में

आशय - प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि समझाना चाहता है कि कोई कहारों द्वारा उठाई गई डोली में हो, तेज बहने वाली धार के बीच में हो, किसी के प्रति घृणा का भाव हमारे मन में हो या पुत्र के मोह में हो लेकिन हमें अपने अंदर कुछ करने का उत्साह बनाए रखना होगा।

विषय-वस्तु का बोध -

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यान से पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बाधाएँ आती हैं ——— जलना होगा।

"You can't cross the sea merely by standing and staring at the water." —Rabindranath Tagor

Chitra

प्र.क 'घटा' शब्द के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?
उ० 'घटा' शब्द के माध्यम से कवि दुखों रूपी काले बादलों की घटा की बात कहता है।

प्र.ख 'पाँव के नीचे अंगारे' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उ० 'पाँव के नीचे अंगारे' से कवि का तात्पर्य है कि जीवन में अनेक बाधाएँ आती है। लेकिन हमें उनसे घबराना नहीं चाहिए।

प्र.ग पंक्तियों में आए दो क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए-
(i) आएँ (ii) जलना होगा

प्र.घ 'अंगारे' शब्द का विलोम लिखिए-
उ० कोयला

भाषा-बोध

1) नीचे दिए गए शब्दों का पूरा परिवार कीजिए-
कार - अंधकार, बेकार, साकार मित्र - परममित्र, घनिष्ट मित्र, स्वमित्र
दान - खानदान, पीकदान, नादान धार - मूसलाधार, कर्णधार, आधार
गान - राष्ट्रगान, गुणगान, बागान हित - जनहित, परहित, अहित

2 दिए गए शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका विलोम अर्थ स्पष्ट हो - क) स्वहित - सज्जन लोग परहित के लिए ही अपना जीवन लगा देते हैं।
ख) प्यार - कटुवचन बोलने वालों से सभी घृणा करने लगते हैं।
ग) अंधेरा - सूर्योदय होने पर चारों ओर उजियाला हो जाता है।
घ) जलना - पानी डालते ही आग बुझ जाती है।
ङ) काँटा - कमल का फल बहुत सुंदर लगता है।
च) नीचे - पुस्तक मेज के ऊपर रखी है।

"You have to take the calculated risk, to earn something."-Dhirubhai Ambani

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आग - अग्नि, पावक

उद्यान - बगीचा, वाटिका

हाथ - हस्त, कर

पाँव - पैर, पद

4. जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

हार - हारना, गले का हार

आहुति - बलिदान, हवन में सामग्री डालना

घटा - घटना, सावन की घटा

पलना - पालन-पोषण करना, छोटे बच्चों का झूलने वाला पलंग